(ग) ऐसी सहायता प्रदान करने के क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार इस नीति की समीक्षा करने का विचार रखती है और यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास (युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) से (ग) केन्द्रीय रूप से संरक्षित स्मारक, जिनमें पूजा का प्रचलन है उनसे संबंधित संरचनात्मक मरम्मत और परिरक्षण का कार्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया गया है । पूजा स्थलों के रख रखाव के लिए किसी भी अभिकरण अथवा व्यक्ति को कोई धनराशि प्रदान नहीं की गई है ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

उत्तरकाशी में संचार सुविधाओं का सुचारू ढंग से कार्यकरण

125. **डा० रत्नाकर पाण्डेय :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार द्वारा उत्तरकाशी के भूकम्प ग्रस्त क्षेत्रों में डाक तार तथा टेलीफोन सुविधाओं को सुचारू ढंग से जारी रखने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

संचार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) :

डाक सेवाएं

20 अक्तूबर, 1991 को आए भूकम्प के कारण उत्तरकाशी गंगोत्री मार्ग पर सड़क में आई दरारों के कारण डाक रुकने के अलावा उत्तरकाशी में भूकम्प प्रभावित क्षेत्रों में डाक सेवाओं में कोई व्यवधान नहीं आया । 24 अक्तूबर, 1991 को यह मार्ग पुनः चालू कर दिया गया ।

टेलीफोन सेवाएं

दिनांक 20-10-91 को आए भूकम्प से उत्तरकाशी और चमोली क्षेत्र प्रभावित हुए । इस क्षेत्र में कुछ सार्वजनिक टेलीफोनों और तार लाइनों तथा एक्सचेंजों को मामूली नुकसान पहुंचा ।

उत्तरकाशी क्षेत्र में 7 एक्सचेंज खराब हो गए । इनका ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिये) इन सभी एक्सचेंजों को पुनः चालू कर दिया गया है। केबिल खराब होने के कारण उत्तरकाशी में लगभग 35 कनेक्शन ठप्प पड़ गए । इन सब को धीरे धीरे पुनः चालू कर दिया गया है ।

चमोली जिले में गुप्तकाशी में लाइनों के क्षतिग्रस्त होने के कारण टेलीफोन एक्सचेंज डिस्कनेक्ट हो गया था । इसे चालूकर दिया गया है । लाइनों की खराबी के कारण गौरीकुण्ड और केदारनाथ के सार्वजनिक टेलीफोन क्षतिग्रस्त हुए थे । 23.10.91 को इन दोनों की मरम्मत कर दी गई ।

नई सेवाएं

(i) दिनांक 22-10-91 को उत्तरकाशी, टिहरी और श्रीनगर को एस टी डी नेटवर्क पर नई दिल्ली से जोड़ा गया है ।

(ii) बचाव कार्यों में सहायता देने के प्रयोजन से राज्य सरकार के लिए लखनऊ और उत्तरकाशी के बीच हॉट लाइन स्थापित की गई ।

(iii) ट्रंक परियात : परियात की अधिक मात्रा से निपटने के लिए दिल्ली और देहरादून में अतिरिक्त ट्रंक सर्किट खोले गए ।

तार सेवाएं

इनकमिंग/रिवर्स कॉल की सुविधाओं वाले टेलीफोनों सहित एस टी डी सार्वजनिक टेलीफोन, उत्तरकाशी और देहरादून के बीच द्विभाषी टेलीप्रिंटर सर्किट, फैक्स सेवाएं भटवारी कैम्प आफिस से पौड़ी/श्रीनगर के बीच बेतार सर्किट जैसी अतिरिक्त सुविधाएं

के साथ 23-10-91 से 8-11-91 के के दौरान उत्तरकाशी तार घर के कार्य करने का समय चौबीसों घंटे 0700 बजे से 2200 बजे तक बढ़ाया गया । उत्तरकाशी से क्रमशः 30 किलोमीटर और 15 किलोमीटर की दूरी पर भटवारी और मनेरी में कैम्प तारघर भी खोले गए ।

विवरण

उत्तरकाशी क्षेत्र में 20-10-90 को आए भूकम्प के कारण क्षतिग्रस्त हुए टेलीफोन एक्सचेंजों की सूची

1. पुरोला-50 लाइनों का एक्सचेंज-उत्तरकाशी से 120 कि०मी० की दूरी पर स्थित यह एक्सचेंज 4 स्थानों पर खराब हुआ । 25-10-91 को मरम्मत कर दी गई ।

2. दमता-25 लाइनों का एक्सचेंज-उत्तरकाशी से 140 कि०मी० दूर 6 स्थानों पर क्षतिग्रस्त । 24-10-91 को मरम्मत की गई ।

3. नौगांव-50 लाइनों का एक्सचेंज उत्तरकाशी से 93 कि०मी० दूर 13 स्थानों पर क्षतिग्रस्त । 24-10-91 को मरम्मत की गई ।

4. डुन्डा-25 लाइनों का एक्सचेंज-उत्तरकाशी से 17 कि०मी० दूर यह एक्सचेंज कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हुआ । 24-10-91 को मरम्मत की गई ।

5. धरासू-25 लाइनों का एक्सचेंज-उत्तरकाशी से 33 कि०मी० दूर यह एक्सचेंज कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हुआ । 24-10-91 को मरम्मत की गई ।

6. चिन्यालीसौर-25 लाइनों का एक्सचेंज-उत्तरकाशी से 40 कि०मी० कई स्थानों पर लाइन टूटी । 24-10-91 को मरम्मत की गई ।

7. मनेरी-25 लाइनों का एक्सचेंज उत्तरकाशी से 26 कि मी० 26-10-91 तक इन स्थानों पर नहीं पहुचा जा सका । लाइनें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त । एक्सचेंज भवन क्षतिग्रस्त जिसकी मरम्मत नहीं की जा सकती । एसटीडी पोसीओ खोला जा रहा है। एक नया इलेक्ट्रानिक एक्सचेंज स्थापित किया जा रहा है । जिला प्रशासन से नए एक्सचेंज के लिए भवन किराए पर लिया गया है ।

8. उत्तरकाशी-लाइन खराब होने के कारण लगभग 35 कनेक्शनों ने कार्य करना बंद कर दिया था । सभी को धीरे-धीरे पुनः चालू कर दिया गया है ।

Chandil Dam, Bihar

126. KUMARI CHANDRIKA PREMJI KENIA: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the Press Report appearing in the *Times of India* of 12th October, 1991 regarding havoc played by the Chandil Dam, a part of the Subernarekha multipurpose project under construction in Bihar; and

(b) if so, what is the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): (a) and (b) The project Administration has reported that the dam has been constructed upto spillway crest level and it was stipulated that with water impounding upto the crest, 6 villages will be fully submerged and 20 villages would be partly affected. He further reported that the payment of compensation for land and houses acquired has virtually been completed in all but one in the first 38 villages of Chandil submergence area. The villagers, however, continued cultivation of land even after compensation has been paid. The affected villages had sufficient advance intimation about possible submergence and the contigency plan was in operation during the monsoon period for eviction and relief. One village name-